कर रहे हैं तथा उन्नत प्रकार के चूल्हे प्रतिवर्ष 3 मिलियन टन से अधिक जलावन लकड़ी की बचत कर रहे हैं।

विभिन राज्यों में बिजली उत्पादन की लागत

4499. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक राज्य में बिजली की वर्तमान आवश्यकता और बिजली के उत्पादन की स्थिति क्या है;

(ख) प्रत्येक राज्य में प्रति मेगावाट बिजली की उत्पादन लागत कितनी है और बिजली का उत्पादन लागत में असमानता को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं तथा यदि इस प्रकार के कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या गुजरात में गैस पर आधारित बिजली उत्पादक परियोजना स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) इस संबंध में गुजरात की मांग कितनी है तथा निर्णय कब तक ले लिये जाने की सम्भावना है?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) अपेक्षित सूचना विवरण 1 और 2 में दी गई है **(नीचे देखिये)**।

(ख) विद्युत उत्पादन की लागत प्रत्येक परियोजना के लिए अलग-अलग होती है और अनेक पहलुओं पर निर्भर करती हैं जिनमें ये शामिल हैं --जल विद्युत परियोजनाओं के संबंध में सिविल कार्यों की मात्रा तथा प्रचालन संबंधी भौर अनुपात और जहां तक ताप विद्युत्त परियोजनाओं का संबंध है, उपर्यक्त पहलुओं में ये शामिल है--संयंत्र तथा उपस्कर का स्थल और इनका स्वरूप, यूनिटों का आकार, ईंधन का स्वरूप, परियोजना की लागत और वर्ष में इसके प्रचालन के घंटें। विभिन्न राज्यों में विद्युत उत्पादन की औसत लागत विवरण 3 में दी गई है **(नीचे देखिये)**।

(ग) जी, हां।

(घ) अपेक्षित सूचना विवरण--4 में दी गई हैं।

विवरण–1

अप्रैल, 88–जुलाई, 88 के दौरान ऊर्जा की मांग का राज्यवार ब्यौरा

(आंकड़े मिलियन यूनिट निवल में)

क्षेत्र/राज्य/प्रणाली	अप्रैल, 88--जुलाई, 88 मांग
1	2
उत्तरी क्षेत्र	
चण्डीगढ़	157
दिल्ली	490

1	2
हरियाणा	2315
हिमाचल प्रदेश	564
जम्मू व काश्मीर	865
एन. एफ. एफ. सहित पंजाब	5042
राजस्थान	2842
उत्तर प्रदेश	8040
जोड़ (उत्तरी क्षेत्र)	22115
पश्चिमी क्षेत्र	
गुजरात	6147
मध्य प्रदेश	4515
महाराष्ट्र	10310
गोवा	174
जोड़ (पश्चिमी क्षेत्र)	22146
दक्षिणी क्षेत्र	
आन्ध्र प्रदेश	5515
कर्नाटक	4900
केरल	2090
तमिलनाडु	6225
जोड़ (दक्षिणी क्षेत्र)	18730
पूर्वी क्षेत्र	
बिहार	1745
दामोदर घाटी निगम	2320
उड़ीसा	2175
पश्चिमी बंगाल	2970
जोड़ (पूर्वी क्षेत्र)	9210
उत्तर-पूर्वी क्षेत्र	735
अखिल — भारत	71958

विवरण–2

अप्रैल, 1988–जुलाई, 1988 के दौरान देश में ऊर्जा उत्पादन का राज्यवार ब्यौरा

राज्य/प्रणाली	ऊर्जा उत्पादन (मि. यू. में)
भाखड़ा-व्यास प्रबन्ध बोर्ड	3937
दिल्ली	1834
जम्मू और काश्मीर	1300
हिमाचल प्रदेश	644
हरियाणा	734
राजस्थान	1113
पंजाब	2518
उत्तर प्रदेश	9922
गुजरात	5853
महाराष्ट्र	11172
मध्य प्रदेश	6318
आन्ध्र प्रदेश	5184
कर्नाटक	2555
केरल	1364
तमिलनाडु	7002
बिहार	1452
उड़ीसा	1241
पश्चिम बंगाल	3455
दामोदर घाटी निगम	1930
सिक्किम	11
असम	352
मेघालय	241
त्रिपुरा	30
मणिपुर	109
अखिल भारत	70271

विवरण–3

विभिन्न राज्यों में विद्युत उत्पादन औसत लागत 1985-86

(पैसे/यूनिट)

क्रम सं.	रा. वि. बोर्ड	ताप विद्युत	जल विद्युत	आन्तरिक दहन	पूल्ड
1.	आंध्र प्रदेश	34.17	6.33	—	21.92
2.	बिहार	74.34	38.69	—	71.44
3.	गुजरात	44.44	19.12	—	43.68
4.	हरियाणा	82.19	6.90	—	30.30
5.	हिमाचल प्रदेश	—	11.00	—	11.00
6.	कर्नाटक	—	8.09	—	8.09
7.	केरल	—	4.96	—	4.96
8.	मध्य प्रदेश	35.22	5.85	—	33.39
9.	महाराष्ट्र	41.53	5.37	91.35	37.21
10.	उड़ीसा	36.87	5.73	—	17.66
11.	पंजाब	59.33	8.58	—	30.48
12.	राजस्थान	59.40	8.00	—	24.82
13.	तमिलनाडु	57.32	10.95	—	40.49
14.	उत्तर प्रदेश	61.73	22.12	317.17	47.97
15.	पश्चिम बंगाल	41.11	36.60	—	44.63
16.	असम	उ. न.	उ. न.	उ. न.	उ. न.
17.	मेघालय	उ. न.	उ. न.	उ. न.	उ. न.
	जोड़ :	47.34	9.11	102.26	34.80

विवरण–4

गुजरात में गैस पर आधारित विद्युत संयंत्र स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव

क्रम सं.	स्कीम का नाम	क्षमता	वर्तमान स्थिति
1	2	3	4
	(क) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत स्कीमें		
(1)	गंधार गैस टर्बाइन संयुक्त साइकिल संयंत्र	600 मेगावाट	केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तकनीकी -आर्थिक दृष्टि से स्वीकृत कर दी गई है बशर्ते पैट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा गैस की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी जाए और केन्द्रीय विद्युत्त प्राधिकरण द्वारा पारेषण स्कीम को अनुमोदित कर दिया जाए।
(2)	उत्राण गैस-टर्बाइन संयुक्त साइकिल संयंत्र	135 मेगावाट	केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से स्वीकृत कर दी गई है बशर्ते सम्बद्ध पारेषण स्कीम के संबंध में अंतिम निर्णय ले लिया जाए और उसे स्वीकृत कर दिया जाए और गुजरात औद्योगिक विकास निगम द्वारा पानी की आपूर्ति संबंधी व्यवस्था पूरी कर ली जाए।
	(ख) स्कीमें, जिन को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में जांच की जा रही है		
(1)	दक्षिणी सौराष्ट्र में पिपावाव गैस टर्बाइन संयुक्त साइकिल संयंत्र	750 मेगावाट	इन स्कीमों की केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में अन्य मूल्यांकन एजेंसियों के परामर्श से जांच की जा रही है और सभी विदेशों के
(2)	अंकलेश्वर गैस टर्बाइन संयुक्त साइकिल संयंत्र	30 मेगावाट	

1	2	3	4
			सुनिश्चित हो जाने तथा अपेक्षित स्वीकृतियां प्राप्त हो जाने के बाद ही इन्हें तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से स्वीकृत किए जाने के बारे में विचार किया जा सकता है।
	(ग) स्कीमें, जिनके संबंध में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में कार्यवाही नहीं की जा रही है		
	(1) महुआ में गैस पर आधारित ताप विद्युत केन्द्र	2 × 210 मेगावाट	ताप्ती क्षेत्र मे ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित न किए जाने के कारण स्कीम के बारे में आगे कार्यवाही नहीं की जा रही है और इस बारे में गुजरात राज्य बिजली बोर्ड को सूचित कर दिया गया है।
	(2) कांडला (प्रतिस्थापन)	1 × 60 मेगावाट	चूंकि कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं की गई थी, अतः प्रस्ताव पर आगे कार्यवाही नहीं की जा रही है और इस बारे में गुजरात बिजली बोर्ड को सूचित कर दिया गया है।
	(3) निम्नलिखित स्थानों पर समकालिक साइकिल गैस आधारित संयंत्र:—		गुजरात बिजली बोर्ड द्वारा बलोल तथा कलोल में संयुक्त क्षेत्र में ताप विद्युत केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव भेजा गया है जिसके संबंध में उनके द्वारा नई परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी है।
	(एक) बलोल	6 × 5.5 मेगावाट	
	(दो) कलोल	6 × 5.5 मेगावाट	